डाक पंजीयनक्र. मालवा डिविजन /404/2025-27 RNI MPHIN/2022/86763

संघर्ष से सिद्धि

खबरों के साथ, हर नजरिये की बात

Sangharshsesiddhi@gmail.com

स्व. पूज्य पिता रतनलाल जी माहेश्वरी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी(जेल) रानापुर जिला झाबुआ के चरणों में सादर समर्पित

हिन्दी सांध्य दैनिक | उज्जैन, शनिवार 31 मई 2025 | वर्ष-03 अंक-295 पृष्ठ-08, मूल्य-3: 00

प्रधानमंत्री मोदी 31 मई को लोकमाता देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में करेंगे शिरकत

क्षिप्रा नदी पर 778 करोड़ के घाट निर्माण कार्यों का भोपाल से होगा वर्चुअल भूमि-पूजन

संजय जैन (सह-संपादक)
गिद्ध दृष्टि

संजय जैन,सह संपादक। उज्जैन । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शनिवार 31 मई को लोकमाता देवी अहिल्या बाई की 300 वी जयंती पर भोपाल में महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शामिल होंगे। भोपाल के जम्बूरी मैदान में आयोजित महा सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री मोदी इंदौर मेट्रो तथा सतना एवं दतिया एयरपोर्ट का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री क्षिप्रा नदी पर 778 करोड के घाट निर्माण कार्यों का वर्चुअल भूमिपूजन करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी 483 करोड़ लागत के 1271 नवीन अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) की पहली किश्त का अंतरण भी करेंगे। उक्त महासम्मेलन में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्रीय संस्कृति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत शामिल रहेंगे। इस महासम्मेलन के आयोजन में केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय का भी महत्वपूर्ण समन्वय है। महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी लोकमाता देवी अहिल्या बाई को समर्पित डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे। श्री मोदी आदिवासी, लोक और पारंपरिक कलाओं के क्षेत्र में एक महिला कलाकार को राष्ट्रीय देवी अहिल्याबाई पुरस्कार से सम्मानित करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सुशासन, महिला सशक्तिकरण और संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी का भी अवलोकन करेंगे।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300 वी जयंती

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में 31 मई 2025 को लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के उपलक्ष में राज्य स्तरीय महिला महासम्मेलन का आयोजन भोपाल में किया जा रहा है।लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर को महिला नेतृत्व, न्यायप्रियता और प्रशासनिक दक्षता का प्रतीक माना जाता है, जिनसे प्रदेश की महिलाएं प्रेरणा लेती हैं। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर ने इंदौर को संवेदनशील, न्यायसंगत और सांस्कृतिक नगर के रूप में स्थापित किया। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के सुशासन के मंत्र को अपनाते हुए प्रदेश सरकार की कई योजनाएं लाडली बहना योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना आदि संचालित की जा रही है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में शिक्षा, धर्म, न्याय और महिला हितों को प्राथमिकता दी। प्रदेश की योजनाओं में भी इन्हीं मूल्यों को आधार बनाया गया है।मध्यप्रदेश में हर वर्ष अहिल्याबाई की जयंती पर राजकीय कार्यक्रम, पुरस्कार और स्मृति समारोह आयोजित किए जाते हैं। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने काशी, गया, द्वारका जी, सोमनाथ, रामेश्वरम जैसे धार्मिक स्थलों पर मंदिर निर्माण कर धार्मिक एकता और सांस्कृतिक संरक्षण का कार्य किया। लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर ने अपने शासन में जाति, वर्ग और लिंग के भेदभाव को समाप्त करने की दिशा में काम किया। आज मध्यप्रदेश में समाजिक समरसता और समानता की नीतियों उन्हीं मूल्यों पर आधारित हैं।

300 रुपए का स्मारक सिक्का होगा जारी

31 मई को भोपाल में देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर महिला सम्मेलन होगा। पीएम मोदी देश का पहला 300 का स्मारक सिक्का जारी करेंगे। शुक्रवार को वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में गजट अधिसूचना भी जारी कर दी है। 35 ग्राम वजनी सिक्के में चांदी की मात्रा 50न्न होगी। एक तरफ अहिल्या बाई का फोटो होगा। ऊपरी तरफ हिन्दी तथा निचली परिधि पर अंग्रेजी में अहिल्या बाई होलकर की 300वीं जयंती लिखा होगा। बाएं और दाएं तरफ 1725-2025 लिखा होगा। दूसरी तरफ अशोक स्तम्भ के नीचे रुपए के प्रतीक चिह्न के साथ मूल्यवर्ग 300 लिखा होगा अशोक स्तम्भ के दाएं-बाएं हिंदी तथा अंग्रेजी में भारत लिखा होगा। यह देश-दुनिया में जारी होने वाला ऐसा पहला सिक्का होगा, जिसका मूल्यवर्ग 300 रुपए है।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जंयती पर विशेष डाक टिकिट जारी करेंगे।

भूमि पूजन और लोकार्पण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 31 मई को भोपाल से वर्चुअली उज्जैन में आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 के लिए निर्माण कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी के द्वारा 778.91 करोड़ की लागत से घाट निर्माण का भूमि-पूजन किया जाएगा। यह निर्माण शनि मंदिर से लेकर नागदा बायपास तक 29 किलोमीटर लंबाई में होगा। 83.39 करोड़ की लागत से बैराज, स्टॉप डेम और वेंटेड कॉज-वे का भी भूमि-पूजन किया जाएगा, जो क्षिप्रा और कान्ह नदियों के जल प्रवाह को बनाए रखने में सहायक होंगे। नगर निगम द्वारा 1.39 करोड़ की लागत से कालियादेह स्टॉप डेम का मरम्मत कार्य भी शुरू किया जाएगा। ये जल संरचनाएं नदियों के जल स्तर को स्थिर रखकर श्रद्धालुओं और साधु-संतों के सुरक्षित स्नान के लिए बनाई जा रही हैं। इस महत्वाकांक्षी परियोजना की समय सीमा 30 माह रखी गई है, ताकि सिंहस्थ महापर्व के दौरान सभी सुविधाएं पूरी तरह से उपलब्ध हो। यह परियोजना उज्जैन के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को और भी मजबूत करेगी। सिंहस्थ महापर्व में लाखों श्रद्धालुओं के लिए यह एक बड़ी सुविधा होगी।

माननीय सांसद सुधीर गुप्ता के नेतृत्व में मंदसौर जिले के पर्वतारोही छात्र-छात्राओं ने दूसरी बार 17,346 फीट ऊंचाई पर तिरंगा फहराया

कनौजिया के नेतृत्व में मंदसौर माउंटेनियरिंग टीम हिमाचल प्रदेश की फ्रेंडशिप चोटी पर तिरंगा लहराकर अंतरराष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस मनाया

शाहिद अजमेरी मंदसौर- ट्रूप कमांडर एवं जिला मंदसौर माउंटेनियरिंग संगठन के सचिव जितेंद्र कनौजिया की टीम दूसरी बार मंदसौर जिले से मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए माननीय सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक विपिन जैन, खेल मंत्रालय भोपाल, एवं एनसीसी 5 मध्यप्रदेश बटालियन मंदसौर के सहयोग से यह मदसौर जिले से दूसरी बार माउंटेनियरिंग एक्सपीडिशन के लिए रवाना हुई जहां पर लेह लद्दाख कार्जोक 16000 फीट हाइट पर पहुंचे जहां 5 राष्ट्रीय राइफल भारतीय सेना यूनिट में सभी माउंटेनियर का मेडिकल चेकअप किया गया, एवं मेजर आशुतोष द्वारा दिशा निर्देश दिए गए, लद्दाख में 20 किलोमीटर का ट्रैकिंग पिक सबमिट किया, उसके बाद भारतीय पर्वतारोहण संस्था नई दिल्ली के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश की फ्रेंडशिप चोटी के लिए निकले किसकी ऊंचाई 5,289 मीटर (17,346 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है । यह भारत के हिमाचल प्रदेश की कुल्लू घाटी में पीर पंजाल रेंज में स्थित है यहां चोटी पर चढ़ाई करने के लिए डुंडी से ट्रैकिंग स्टार्ट कर बकारताश होते हुए लेडी लेग पहुंचे जहां बेस कैंप लगाया गया और प्रशिक्षण प्राप्त किया दो दिन अभ्यास के बाद एडवांस बेस्ट कैंप लगाया गया जहां पर भारी बर्फबारी का सामना करते हुए 28 मई रात्रि 11:00 बजे चढ़ाई शुरू कर 29 मई 2025 को अंतरराष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस के दिन फ्रेंडशिप चोटी पर पहुंचकर सुबह 6:00 बजे तिरंगा फहराया, साथ ही भारतीय सेना, एनसीसी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश पुलिस और जिला मंदसौर माउंटिंग संगठन ध्वज फहराया गया, उक्त जानकारी देते हुए चीफ ऑफिसर (मेजर) डॉ विजय सिंह पुरावत ने बताया कि इस अभियान में मंदसौर जिले से 10 पर्वतारोही ने भाग लिया था जिसमें ट्रूप कमांडर जितेन्द्र कनौजिया, जैनिश बरडिया, कृष्णा कनौजिया, ललित कुमार परमार, पराग शर्मा, नेहा शर्मा, प्राची व्यास, लोकेंद्र कुमार सामेरिया, रिंकू शुक्ला, इस अभियान में भाग लिया और एक्सपीडिशन लीडर द्वारा पूरी टीम में पराग शर्मा बेस्ट क्लाइंबर घोषित किए गए, सभी पर्वतारोही सकुशल इस पर्वतारोहण अभियान को पूरा कर 30 मई को नीचे उतरे यह सभी पर्वतारोही 1 जून शाम तक मंदसौर पहुंचेंगे । इस अवसर पर टीम लीडर एवं सभी सदस्यों को माननीय सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक विपिन जैन, विधायक हरदीप सिंह डंग, भारतीय सेना कर्नल ज्योति प्रकाश, जिला कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग, जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद (आईपीएस), जिला मंदसौर माउंटेनियरिंग संगठन के संरक्षक डॉक्टर क्षितिज पुरोहित, कुलदीप सिंह सिसोदिया, पदेन उपाध्यक्ष एवं अनुविभागीय अधिकारी शिवलाल शाक्य, पदेन उपाध्यक्ष एवं जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ विजय सिंह पुरावत, कार्यकारी उपाध्यक्ष सचिन जैन, विश्व मोहन अग्रवाल, राकेश श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष धीरज शुक्ला, पूर्व जल सेना अधिकारी एवं यातायात सूबेदार शैलेंद्रसिंह चौहान, आदि ने बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

मंदसौर के जैन समाज के तीर्थ यात्रियों का रतलाम 8 लेन पर भयानक एक्सीडेंट

ट्रेवलर वाहन के आगे चल रहे ट्राले ने अचानक लगाया ब्रेक तो ट्रेवलर ट्राले के पीछे जा घुसी, 16 घायल

यात्री पालीताना, गिरनार की तीर्थ यात्रा कर मंदसौर आ रहे थे सभी घायलों को लाए रतलाम मेडिकल कॉलेज

गम्भीर घायल को ले गए बड़ौदा

उपेन्द्र पाटोदिया रतलाम,- रतलाम 8 लेन पर एक भयानक सड़क हादसा हुआ जब आगे चल रहे ट्राले ने अचानक ब्रेक लगाया तो पीछे चल रही जैन तीर्थ यात्रियों की ट्रेवलर ट्राले के पीछे जा घुसी। हादसे में 16 घायल हो गए। सभी पालीताना, गिरनार की तीर्थ यात्रा कर मंदसौर जा रहे थे। घायलों को रतलाम मेडिकल कॉलेज लाए, जहां उपचार चल रहा है। गम्भीर घायल को बड़ौदा ले गए।

जानकारी के अनुसार, सभी घायल जैन एवं रांका परिवार से है। मंदसौर के रांका परिवार के 2 और जैन परिवार के 13 लोग यात्रा पर एक साथ गए थे। मंदसौर से यह सभी रविवार को रवाना हुए थे। पहले वे गुजरात के शंखेश्वर तीर्थ गए। वहां से पालीताणा के बाद गिरनार जी आए थे। वापस मंदसौर लौटते समय रतलाम के पास हादसा हो गया।

16 लोग घायल, 3 गंभीर पुलिस ने बताया कि 8 लेन पर हड़सर के पास रेत से भरा ट्रॉला आगे चल रहा था। ट्रॉला चालक ने अचानक ब्रेक लगाया, तभी पीछे से आ रही मिनी बस (ट्रेवलर) उसमें पीछे से जा घुसी। हादसे में 16 लोग घायल हुए है। सभी घायलों को रतलाम मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया है। गम्भीर घायलों को बड़ौदा ले गए हैं।

अधिकतर लोगों के हाथ पैरों में आई चोटें हादसे में अधिकतर लोगों के हाथ पैरों में चोटें आई है। तीन लोग गंभीर है, जिनमें रमेश पिता बाबूलाल को हेड इंज्युरी, लक्ष्मी पिता नीलम मारू को सिर-कमर और दिव्या पति धीरज जैन के पैर और कमर में लगी है। जिन्हें आईसीयू में एडमिट किया है।

यह हुए घायल- क्लीनर आरिफ पिता बाबू (40) प्रतीक पिता प्रेमचंद (32) रमेश पिता बाबूलाल (55)

लक्ष्मी पति नीलम मारू (50) दिनेश पिता कन्हैयालाल रांका (53) अक्षय पिता विमल चंद (40) प्रमोद काकरिया (65) जितेंद्र पिता चौथमल (48) धीरज पिता प्रमोद (36) दिव्या पति धीरज जैन (35) गौतम पिता धीरज जैन (15) सीमा पति रितेश (30) नव्या पिता रितेश (20) अरुण पिता नीलम जैन (40) आलोक पिता मोहनलाल जैन (32)।

पात्र परिवारों को एक मुश्त 03 माह जून, जुलाई एवं अगस्त का मिलेगा राशन -कलेक्टर डॉ बेडेकर

संजय राठौड़ जिला ब्यूरो अलीराजपुर - शासन द्वारा दिए गए आदेशानुसार कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर द्वारा वितरण व्यवस्था से जुड़े सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरित होने वाला खाद्यान्न पात्र परिवारों को 03 माह की एकमुश्त राशन सामग्री का वितरण किया जाएगा। आगामी मानसून में राशन सामग्री के परिवहन, भंडारण एवं वितरण में आने वाली समस्याओं के निराकरण एवं पात्र परिवारों को समय-सीमा में राशन सामग्री उपलब्ध कराने हेतु माह जून, जुलाई एवं अगस्त, 2025 का एकमुश्त राशन का वितरण माह जून, 2025 से किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। जिसके संबंध में उचित मूल्य दुकानों पर 03 माह के एकमुश्त राशन वितरण की सूचना हेतु दुकानों पर फ्लेक्स/बैनर लगाए जाएं। जन प्रतिनिधियों को 3 माह के एकमुश्त राशन वितरण व्यवस्था से अवगत कराया जाए । एकमुश्त राशन वितरण व्यवस्था का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए। तीन माह के एकमुश्त राशन प्रदाय एवं वितरण की सघन मॉनिटरिंग कर माह जून, 2025 में राशन वितरण किया जाना सुनिश्चित किया जाए

एक साथ रतलाम शहर में तीन मन्दिरो में चोरी करने वाले दो शातिर चोर धराए

पहले भी कई मदिरों में कर चुके थे चोरी

इन्दौर से आए थे चोरी करने,सीसीटीवी फुटेज की मदद से पकडे गए

उपेन्द्र पाटोदिया रतलाम,- चार दिन पहले शहर के तीन मन्दिरों में एक साथ चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को पुलिस ने इन्दौर से गिरफ्तार कर लिया है। मन्दिरों से चुराए गए चांदी के बर्तनों को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। पकडे गए शातिर चोर,मन्दिरों को ही अपना निशाना बनाते थे। वे मध्यप्रदेश के कई शहरों के साथ साथ महाराष्ट्र के मन्दिरों में भी चोरी को अंजाम दे चुके है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने कंट्रोल रुम पर आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस को मिली सफलता की जानकारी दी। एसपी ने बताया कि 26-27 मई की दरम्यानी रात को शहर के तीन मन्दिरों के ताले चटका कर मन्दिरों में रखे चान्दी के बर्तन और नगदी आदि चुरा लिए गए थे। थावरिया बाजार स्थित पंचेश्वर हनुमान मन्दिर,विक्रम नगर स्थित शांतिनाथ मन्दिर और रेलवे कालोनी स्थित माताजी मन्दिर को चोरों ने अपना निशाना बनाया था।

चोरी की इन वारदातों के बाद शहर के स्टेशन रोड और जीआरपी थानों पर चोरी के प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई थी। एसपी अमित कुमार ने बताया कि चोरों ने उस रात मन्दिरों में चोरी करने के साथ ही सैलाना यार्ड स्थित आरजू काटेज से एक हीरो होण्डा शाइन मोटर साइकिल भी चुराई थी।

चोरी का गंभीर अपराध होने के कारण एसपी अमित कुमार ने एएसपी राकेश खाखा और साएसपी सत्येन्द्र घनघोरिया के मार्गदर्शन में बिलपांक थाना प्रभारी अयूब खान और टीआई स्टेशन रोड स्वराज डाबी के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाकर चोरी की जांच की जिम्मेदारी सौंपी।

पुलिस की इस टीम ने चोरी की वारदात का पता लगाने के लिए लगभग ढाई सौ सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखें और इन फुटेज से पुलिस को पता चला कि दो अज्ञात आरोपी चोरी की वारदातों को अंजाम देने के बाद मोटर साइकिलों से सालाखेडी होते हुए इन्दौर की तरफ जाते हुए दिखाई दिए। पुलिस टीम ने इन चोरों का पूरा रास्ता ट्रैक किया तो पता चला कि ये आरोपी द्वारिका पुरी इन्दौर की मल्टियों तक पंहुचे थे।

आरोपियों को ट्रैस करने के बाद पुलिस टीम ने इन्दौर से दोनो आरोपियों को पकडा। आरोपियों के नाम सूरज सिंह पिता नवलसिंह ठाकुर 22 नि.कुन्दन नगर मल्टी और सुल्तान पिता राशिद शेख 23 नि. एम मल्टी द्वारिका पुरी इन्दौर बताए गए हैं।

मोटर साइकिल से आए थे रतलाम एसपी अमित कुमार ने बताया कि दोनो चोर एक मोटर साइकिल से रतलाम पंहुचे थे। रतलाम में इन्होने एक और मोटर साइकिल चुराई थी,इसलिए वापसी में जाते वक्त दोनो चोर दो अलग अलग मोटर साइकिलों से इन्दौर गए। चोरी का सारा सामान इन्होने पीले रंग के एक थैले में भरा था।

म.प्र. के अलावा महाराष्ट्र में भी की चोरी एसपी ने बताया कि दोनो शातिर चोर मन्दिरों को ही अपना निशाना बनाते थे। पुलिस को पूछताछ में इन्होने बताया कि मन्दिरों में चोरी करना अपेक्षाकृत आसान रहता है,इसलिए वे मन्दिरों को ही निशाना बनाते थे। पूछताछ में इन्होने इन्दौर में दो और उज्जैन में चोरी की एक वारदात करने की बात कबूली है। इसके अलावा इन्होने महाराष्ट्र के शहरों में भी चोरी की तीन वारदातें कबूली है। चोरों से विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी 01. सूरज पिता नवलसिह ठाकुर जाति राजपुत उम्र 22 साल नि. कुंदन नगर मल्टी, गली नंबर 04 थाना द्वारिकापुरी, इंदौर

02. सुल्तान पिता राशिद शेख जाति फकीर उम्र 23 साल नि. एम मल्टी, थाना द्वारिकापुरी, इंदौर

चोरो से जब्त मश्रुका मंदिर में प्रयुक्त चाँदी के पात्र दो थाली, चार छोटे लोटे, दो गिलास, दो छोटे कलश, दो छीटी प्लेट, दो छोटे दीपक, पांच छोटी कटोरी, दो बड़ी कटोरी, दो बडे दीपक, चार चम्मच, एक कलश सुरई जैसा कुल 28 आर्टिकल, कुल वजनी - 01 किलो 100 ग्राम, एवं नगदी करीबन 2000 रुपये, कुल कीमती करीबन 1,10,000 रुपये 57

महत्वपुर्ण भूमिका अज्ञात चोरो का पता लगाने में निरी. अय्युब खान थाना प्रभारी बिलपांक, निरी. स्वराज डाबी थाना प्रभारी स्टेशन रोड़, उनि अमित शर्मा, प्र.आर. ईश्वरसिह, आर. माखनसिह, आर. संजय सोनी, सी.सी.आर. से आर. आर. समरथ डुडवे की महत्वपुर्ण भुमिका रही।

सराहनीय भूमिका चोरो की गिरफ्तारी में उनि रुपसिंह शक्तावत, प्र आर लक्ष्मीनारायण सुर्यवंशी,, प्र आर अजय शर्मा, सीसीटीवी के आर. देवेंद्र डोडिया व आर. पारस चावला, की सराहनीय भूमिया रही।

मेट्रोपॉलिटन क्षेत्रों के लिए गाइड लाइन तय-एमपीसी लेगी अंतिम निर्णय- अध्यक्ष होंगे मुख्यमंत्री..

प्रदेश में मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के लिए शहर की आबादी 10 लाख होना जरूरी...

संजय जैन (सह-संपादक)
942510-1357 883910-7012
गिद्ध दृष्टि

मेट्रोपॉलिटन रीजन के लिए गाइडलाइन तय

झाबुआ/ इंदौर। संजय जैन-सह संपादक। मोहन यादव सरकार किस तेज गति से काम कर रही है इसे इस तरह से समझा जा सकता है कि इंदौर में पहली बार हुई मंत्रिपरिषद की बैठक के दूसरे दिन ही इंदौर-भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन के लिए गाइडलाइन तय कर दी गयी। इस गाइड लाइन में सबसे मुख्य बिंदु जो है वह यह कि जिन क्षेत्रों की आबादी 10 लाख या उससे अधिक होगी उन्हें ही मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के दायरे में शामिल कर समुचित विकास किया जाएगा। ऐसे क्षेत्रों का दायरा एक से ज्यादा जिलों तक का होना चाहिए।

शहर की आबादी 10 लाख होना जरूरी...

10 लाख या उससे ज्यादा आबादी वाले क्षेत्र में कम से कम दो या दो से ज्यादा नगर पालिका, पंचायतें या अन्य क्षेत्र शामिल होने चाहिए। इन क्षेत्रों के विकास के लिए कम से कम 15 वर्षीय कार्ययोजना बनेगी। योजना तैयार करने का काम मेट्रोपॉलिटन योजना समिति (एमपीसी) करेगी। ऐसे प्रोजेक्ट जो एक से अधिक विकास प्राधिकरण की सीमा क्षेत्र में विकसित किया जाना प्रस्तावित हो, विकास कार्य एमआरडीए (मेट्रोपॉलिटन रिजन डेवलपमेंट अथॉरिटी) द्वारा किए जाएंगे। मेट्रोपॉलिटन योजना समिति में नगर पालिकाओं, पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधि इसके अलावा एमआरडीए के प्रतिनिधि होंगे।

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तय करेगी सरकार...

एमपीसी में एक अध्यक्ष व दो उपाध्यक्ष होंगे। नियुक्ति निगम-मंडलों की तर्ज पर सरकार करेगी। दो तिहाई सदस्य क्षेत्र में आने वाली नगर पालिकाओं व पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों में से चुनाव के जरिए चुने जाएंगे। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकार, संस्थाओं, संगठनों के प्रतिनिधि शामिल किए जाएंगे। क्षेत्र में आने वाले लोकसभा व विधानसभा क्षेत्र के सदस्य, संबंधित नगर पालिकाओं, परिषदों, नगर निगम के महापौर विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे।

ये विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे...

विशेष आमंत्रित सदस्यों में नगर निगम के आयुक्त, रेलवे जोन के जीएम, केंद्रीय दूरसंचार व केंद्रीय नागरिक उड्यन मंत्रालय के प्रतिनिधि भी शामिल रहेंगे। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी और नगर निगम, नगर पालिका, नगर परिषद, पंचायतों और विधानसभाओं के नामित सदस्यों को शामिल किया जाएगा। प्लान का प्रारूप बनाने में एमपीसी की मदद एमआरडीए करेगा। विकास प्राधिकरणों की सीमा क्षेत्र के बाहर बचे क्षेत्रों के नियोजन व विकास के काम करने होंगे। खासकर जो प्रोजेक्ट एक से ज्यादा प्राधिकरणों की सीमा में विकसित किए जाने हों। मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र की कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष मेट्रोपॉलिटन आयुक्त होंगे। इसके अलावा नगर निगम आयुक्त, औद्योगिक विकास, हाउसिंग बोर्ड, मेट्रो कॉर्पोरेशन, परिवहन विभाग, जिलों के कलेक्टर, टीएंडसीपी के संयुक्त संचालक, पीएचई के प्रतिनिधि आदि भी शामिल।

प्रारूप को मंजूरी के बाद तीन समिति प्रमुख..

मध्य प्रदेश महानगर क्षेत्र नियोजन एवं विकास अधिनियम 2025 के जिस प्रारूप को मंजूरी दी गई है,उसके लागू होने के बाद यह स्थिति बनेगी। अधिनियम-2025 लागू होने के बाद तीन समितियों के माध्यम से मेट्रोपोलिटन क्षेत्र को मंजूरी मिलेगी। इसके लिए महानगर योजना समिति एवं महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण का गठन किया जा सकेगा।

एमआरडीए के अध्यक्ष होंगे सीएम..

डॉ. मोहन यादव-मुख्यमंत्री

मेट्रोपोलिटन रिजन डेवलपमेंट अथॉरिटी के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे। नगरीय विकास एवं आवास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास व राजस्व विभाग के मंत्री उपाध्यक्ष होंगे। इसके अलावा मुख्य सचिव और नगरीय विकास, राजस्व, परिवहन, लोक निर्माण, पर्यावरण व पंचायत विभाग के एसीएस, पीएस सदस्य होंगे।

साथ ही महानगरीय योजना समिति के प्रतिनिधि, संभागीय आयुक्त, नगर एवं ग्राम निवेश के संचालक को शामिल किया जाएगा। सदस्य संयोजक मेट्रोपॉलिटन आयुक्त को बनाया जाएगा। शासन द्वारा नामित चार विशेषज्ञ होंगे।

पांच मेट्रोपोलिटन क्षेत्रों को मंजूरी दी- इंदौर में चार और भोपाल में पांच जिले हैं शामिल...

कैलाश विजयवर्गीय-मंत्री

मंत्रि परिषद की बैठक में लिए निर्णयों के संबध में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि केबिनेट ने मेट्रोपोलिटन क्षेत्रों को मंजूरी दी है.इंदौर क्षेत्र में इंदौर-उज्जैन-देवास-धार एवं भोपाल-सीहोर-रायसेन-विदिशा-ब्यावरा (राजगढ़) के लिए महानगर योजना समिति एवं महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण का गठन राज्य सरकार द्वारा किया जा सकेगा।

5 मेट्रोपोलिटन विकास प्राधिकरण बनाएंगे..

इंदौर, उज्जैन, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर में मेट्रोपोलिटन विकास प्राधिकरण बनाए जाने का निर्णय लिया गया है। इस प्राधिकरण का उद्देश्य शहरों का सुव्यवस्थित विकास करना होगा और यह नगर निगम या अन्य प्राधिकरणों के कार्यों को प्रभावित नहीं करेगा। मुख्यमंत्री इस प्राधिकरण के चेयरमैन होंगे। प्राधिकरण 25 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाएगा। इसके तहत तीन स्तरों की समितियां बनाई जाएंगी, जिनमें दो स्तरों में मुख्यमंत्री शामिल होंगे और तीसरे स्तर में स्थानीय अधिकारी व जनप्रतिनिधि होंगे।

होगा नया एमवायएच अस्पताल सात मंजिला ..

एमवाय अस्पताल सात मंजिला होगा

चाचा नेहरु अस्पताल के सामने दूसरी बिल्डिंग खड़ी की जाएगी। आठ एकड़ जमीन में बनने वाला यह नया एमवाय अस्पताल सात मंजिला होगा।अभी एमवाय अस्पताल 1152 बेड वाला है। जबकि ओपीडी 4 हजार से ज्यादा मरीजों की है। यहां ओपीडी और आईपीडी दोनों में क्षमता से दोगुना मरीज आ रहे हैं। नया अस्पताल चाचा नेहरू अस्पताल के सामने इसे बनने में कम से कम तीन साल लगेंगे। 500 बेड की क्षमता का नर्सिंग हॉस्टल, पार्किंग, 40 बेड का ट्रॉमा सेंटर बनेगा। इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पहले ही भवन विकास निगम द्वारा तैयार कर ली गई है। यहां भी वही विभाग रहेंगे जो एमवायएच में संचालित है।

संपादकीय

5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान और निजी व सरकारी क्षेत्र की भूमिका

दुनिया में सिर्फ तीन देशों- अमेरिका, रूस और चीन के पास 5वीं पीढ़ी यानी फिफ्थ जेनरेशन के स्टील्थ फाइटर जेट हैं। भारत भी इस खास क्लब में शामिल होने की तैयारी कर रहा है। भारत का एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) प्रोजेक्ट दो वैरिएंट्स- मार्क 1 और मार्क 2 के साथ शुरू हो चुका है। 5वीं पीढ़ी के फाइटर जेट सबसे आधुनिक और शक्तिशाली विमान होते हैं। भारत लंबे समय से पांचवीं पीढ़ी का स्वदेशी लड़ाकू विमान बनाने की योजना पर काम कर रहा है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की एरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी इस परियोजना की निगरानी करेगी लेकिन इसे बनाने की प्रक्रिया में निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों को अवसर मिलेगा।

दुनिया में सिर्फ तीन देशों- अमेरिका, रूस और चीन के पास 5वीं पीढ़ी यानी फिफ्थ जेनरेशन के स्टील्थ फाइटर जेट हैं। भारत भी इस खास क्लब में शामिल होने की तैयारी कर रहा है। भारत का एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) प्रोजेक्ट दो वैरिएंट्स- मार्क 1 और मार्क 2 के साथ शुरू हो चुका है। 5वीं पीढ़ी के फाइटर जेट सबसे आधुनिक और शक्तिशाली विमान होते हैं। इनकी खासियत होती है कि ये स्टील्थ तकनीक से बने होते हैं। यानी ये दुश्मन के रडार से बच सकते हैं, क्योंकि इनका डिजाइन और सामग्री रडार सिग्नल को कम करती है। इनमें सुपरक्रूज तकनीक होती है यानी ये बिना आफ्टरबर्नर के बहुत तेज उड़ सकते हैं। इनमें एडवांस्ड सेंसर और कम्प्यूटर सिस्टम होते हैं, जो युद्ध में पूरी जानकारी देते हैं। इनमें हथियार विमान के अंदर छिपे रहते हैं, जिससे रडार में पकड़ में आने का खतरा कम होता है। इनका मल्टी-रोल मिशन होता है। यानी ये हवा में लड़ाई, जमीनी हमले और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध जैसे कई काम कर सकते हैं। भारत लंबे समय से पांचवीं पीढ़ी का स्वदेशी लड़ाकू विमान बनाने की योजना पर काम कर रहा है। इस परियोजना को एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट या एएमसीए का नाम दिया गया है। वर्ष 2010 में दो इंजन वाले स्टेल्थ विमान को लेकर पहला व्यवहार्यता अध्ययन किया गया था, तब से ही यह माना जाता रहा है कि इसे प्राथमिक तौर पर हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) नामक सरकारी कंपनी बनाएगी जिसका मुख्यालय बैंगलुरु में है। लेकिन रक्षा मंत्रालय ने इस सप्ताह एएमसीए कार्यक्रम के लिए एक क्रियान्वयन मॉडल को मंजूरी दी। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की एरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी इस परियोजना की निगरानी करेगी लेकिन इसे बनाने की प्रक्रिया में निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों को अवसर मिलेगा। दूसरे शब्दों में कहें तो भारतीय निजी कंपनियों को यह इजाजत होगी कि वे विमान के निर्माण और उसके विकास से संबंधित निविदाओं में बोली लगा सकें। हालांकि अभी केवल एक प्रारंभिक मॉडल यानी प्रोटोटाइप ही बनाए जाने की उम्मीद है। उन्हें यह इजाजत भी होगी कि वे बोली लगाने से पहले संयुक्त उपक्रम या कंसोर्टियम बना सकें। मंत्रालय का मानना है कि यह देश की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के विकास और मजबूत घरेलू वैमानिक औद्योगिक पारिस्थितिकी के विकास की दिशा में एक अहम कदम होगा और यह अनुमान सटीक प्रतीत होता है। एचएएल के एकाधिकार का अंत यकीनन एक अच्छी बात है और यह खबर स्वागतयोग्य है कि रक्षा मंत्रालय ने मार्च में प्रस्तुत एक रिपोर्ट की अनुशंसाओं को लेकर इतनी तेजी से काम किया है। रिपोर्ट में कहा गया था कि सैन्य विमान के निर्माण में निजी क्षेत्र की भूमिका बढ़ाई जानी चाहिए। सैन्य बलों के शीर्ष नेतृत्व की एचएएल से असंतुष्टि कोई छिपी हुई बात नहीं है लेकिन यह पहला मौका है जब मंत्रालय के सर्वोच्च स्तर से इस भावना के अनुरूप कदम बढ़ाया गया है। चाहे जो भी हो एचएएल को इस समय तेजस की आपूर्ति सुनिश्चित करने में व्यस्त होना चाहिए। यह गत वित्त वर्ष में वादे के मुताबिक 80 से अधिक लड़ाकू विमानों की आपूर्ति नहीं कर पाया था।

एलन मस्क का इस्तीफा और अमेरिकी राजनीति

एलन मस्क के इस्तीफे के पीछे सिर्फ बजट नीतियों से असहमति ही नहीं थी, बल्कि टैरिफ (आयात शुल्क) जैसे मुद्दों पर गहरे मतभेद भी इसमें शामिल थे। मस्क शुरू से ही मुक्त व्यापार के समर्थक रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने जब सभी आयातों पर 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा, तो मस्क ने उनसे सीधे अपील की कि इस फैसले को वापस लिया जाए। उनका मत था कि यह नीति अमेरिका की अर्थव्यवस्था और विदेशों से रिश्तों को नुकसान पहुंचाएगी। इस विवाद ने उस समय कानूनी मोड़ ले लिया जब 28 मई 2025 को अमेरिका की कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने फैसला दिया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 'लिबरेशन डे टैरिफ्स' लगाकर अपने संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण किया है। इस फैसले में टैरिफ रद्द कर दिए गए और मस्क की सोच को न्यायिक समर्थन मिला।

29 मई की सुबह से ही दुनियाभर के मीडिया में एक खबर सुर्खियों में बनी हुई थी। खबर में कहा गया कि टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष सलाहकार पद से इस्तीफे का ऐलान किया है। मस्क ने अपनी ही कंपनी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह बात साझा करते हुए लिखा-

विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में मेरा तय समय पूरा हो रहा है, मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आभार व्यक्त करता हूं कि मुझे सरकारी खर्च को कम करने का मौका मिला। उन्होंने कहा- डीओजीई मिशन समय के साथ और मजबूत होगा और यह सरकार में एक जीवनशैली बन जाएगा। अमेरिका में 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान एलन मस्क की ट्रंप के साथ नजदीकियां बढ़ीं और मस्क ने खुलकर ट्रंप का साथ दिया। उन्होंने न सिर्फ ट्रंप के चुनाव अभियान में भाग लिया बल्कि उसमें 250 मिलियन डॉलर से ज्यादा का सहयोग भी दिया।

चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने मस्क को अपना विशेष सहयोगी बताते हुए उन्हें अपनी सरकार में एक खास भूमिका सौंपी। मस्क को डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफीसियंसी(डीओजीई) का सह-प्रमुख बनाया गया। डीओजीई को मुख्य रूप से अमेरिकी सरकार की कार्यप्रणाली को सरल बनाने और उसके खर्चों में भारी कटौती करने का काम सौंपा गया। हालांकि इस काम का शुरुआती लक्ष्य 2 खरब डॉलर की बचत करने का था लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अप्रैल 2025 तक केवल 160 अरब डॉलर की ही बचत हो पाई। कुछ रिपोर्ट्स तो यहां तक कहती हैं कि कटौती के उपायों पर ही इतना खर्च हो गया कि उसने कटौती से होने वाले फायदे को बेअसर कर दिया।

मस्क के इस्तीफे की सबसे बड़ी वजह ट्रंप सरकार के नए खर्च योजना विधेयक यानी वन बिग ब्यूटीफुल बिल को माना जा रहा है। इसमें टैक्स में भारी कटौती और सैन्य बजट में बढ़ोतरी जैसे कदम शामिल थे। मस्क ने सार्वजनिक रूप से इस पर नाराजी जताते हुए कहा था कि यह बिल डीओजीई की बचत योजनाओं को नुकसान पहुंचाएगा साथ ही बजट घाटे को और बढ़ाएगा। कॉरपोरेट दुनिया से आए मस्क ने सरकारी तंत्र को कॉरपोरेट अंदाज में सुधारने का बीड़ा उठाया था। उन्हें अपनी प्रशासनिक क्षमता पर बहुत भरोसा या यूं कहें कि मुगालता था। लेकिन बाद में उन्हें भी यह स्वीकार करना पड़ा था कि कॉरपोरेट जैसी दक्षता सरकार में लाना बहुत मुश्किल है, क्योंकि सरकारी सिस्टम में बहुत ज्यादा लालफीताशाही और जटिलताएं होती हैं।

एलन मस्क के इस्तीफे के पीछे सिर्फ बजट नीतियों से असहमति ही नहीं थी, बल्कि टैरिफ (आयात शुल्क) जैसे मुद्दों पर गहरे मतभेद भी इसमें शामिल थे। मस्क शुरू से ही मुक्त व्यापार के समर्थक रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने जब सभी आयातों पर 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा, तो मस्क ने उनसे सीधे अपील की कि इस फैसले को वापस लिया जाए। उनका मत था कि यह नीति अमेरिका की अर्थव्यवस्था और विदेशों से रिश्तों को नुकसान पहुंचाएगी।

इस विवाद ने उस समय कानूनी मोड़ ले लिया जब 28 मई 2025 को अमेरिका की कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने फैसला दिया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 'लिबरेशन डे टैरिफ्स' लगाकर अपने संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण किया है। इस फैसले में टैरिफ रद्द कर दिए गए और मस्क की सोच को न्यायिक समर्थन मिला।

टैरिफ नीति की आलोचना पर मस्क को ट्रंप प्रशासन के भीतर भी विरोध का सामना करना पड़ा। ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने मस्क को 'कार असेंबलर' कह कर उनका मजाक उडाया तो। मस्क ने नवारो की काबिलियत पर सवाल उठाते हुए उन्हें 'ईंट की बोरी से भी गयाबीता मूर्ख' कह डाला। यह बयानबाजी बताती है कि ट्रंप प्रशासन के भीतर कितने गहरे वैचारिक मतभेद चल रहे हैं।

मस्क कॉरपोरेट की दुनिया में अपनी सफलता और असफलता दोनों के लिए जाने जाते हैं। उनकी निजी जीवन शैली से लेकर कॉरपोरेट में काम करने का उनका तरीका हमेशा चर्चाओं में रहा है। वे अजीबोगरीब और चौंकाने वाले फैसलों के लिए चर्चित रहते हैं। काफी हद तक यही हाल राष्ट्रपति ट्रंप का भी है। ऐसे में इस जोड़ी के लंबे समय तक साथ चल पाने पर पहले से ही संशय था। अब जब मस्क ने ट्रंप का सरकारी साथ छोड़ दिया है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस घटना का अमेरिका और अंतर्राष्ट्रीय जगत पर क्या असर पड़ेगा।

अमेरिका के लिए एक असर तो यह संभावित है कि वहां सरकार की नीतियों में बदलाव को लेकर नई बहस खड़ी हो सकती है। डीओजीई योजनाओं के स्वरूप पर पुनर्विचार के लिए ट्रंप प्रशासन पर दबाव बढ़ सकता है। चूंकि यह इस्तीफा सरकार के भीतर मतभेदों को भी उजागर करता है अत- भविष्य में इसका असर प्राइवेट सेक्टर और सरकार के रिश्तों पर पड़ सकता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असर की बात करें तो मस्क के जाने से अमेरिका में निवेश करने वालों को यह संदेश जा सकता है कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थसत्ता वाले इस देश की आर्थिक नीतियों में स्थिरता नहीं है। टेस्ला और स्पेस एक्स जैसी कंपनियों के चलते मस्क का कारोबार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर है। उनका इस्तीफा अमेरिका की नवाचार और विशिष्ट कार्यक्षमता वाली छवि को नुकसान पहुंचा सकता है।

चूंकि मस्क ने संकेत दिया है कि अब वे राजनीति से दूरी बनाकर अपने कारोबारी उपक्रमों टेस्ला और स्पेस एक्स पर ध्यान देंगे, तो माना जा सकता है कि अब वे सरकारी पचडे से दूर ही रहना चाहेंगे।

दरअसल, सरकारी भूमिका निभाने से मस्क की कंपनियों, खासकर टेस्ला पर नकारात्मक असर पड़ा है। टेस्ला का मुनाफा 71 प्रतिशत तक गिरा है। मस्क की व्यावसायिक और राजनीतिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन को लेकर उनके निवेशकों में भी चिंता होने लगी थी। मस्क और ट्रंप का व्यक्तिगत रिश्ता प्यार और टकराव वाला रहा है। 2024 के चुनाव में मस्क ट्रंप के बड़े समर्थक थे, लेकिन आर्थिक नीतियों और प्रशासनिक तौर-तरीकों पर मतभेद के चलते दोनों के रिश्ते में दूरियां भी बनीं। भविष्य में मस्क के ट्रंप प्रशासन से रिश्ते कैसे रहेंगे यह कहना अभी मुश्किल है। यह भी संभव है कि कारोबारी नीतियों आदि को लेकर आने वाले समय में उनका ट्रंप प्रशासन के साथ टकराव भी देखने को मिले। यदि टकराव बढ़ता है तो अपनी फितरत के चलते ट्रंप भी चुप नहीं बैठेंगे और उनकी तरफ से होने वाली प्रतिक्रिया मामले को और जटिल ही बनाएगी।

एलन मस्क का ट्रंप प्रशासन से इस्तीफा एक महत्वपूर्ण राजनीतिक, सामाजिक और कारोबारी घटना है। इसका असर कई स्तरों पर होगा, लेकिन इसे पूरी तरह से ट्रंप के लिए नकारात्मक मानना भी ठीक नहीं होगा। इसे व्यक्तित्व और विचारधारा के टकराव और कार्यशैली की विसंगति या विरोधाभास के रूप में देखा जा सकता है। मस्क जहां नवाचार, भविष्य की सोच, वैश्विक पूंजीवाद और तकनीक आधारित शासन के पक्षधर हैं वहीं ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में राष्ट्रवादी, संरक्षणवादी (प्रोटेक्शनिस्ट) और सख्त सरकार का चेहरा बनकर उभरे हैं।

मध्यम वर्ग, स्वतंत्र मतदाता और वैश्विक अभिजात वर्ग के लिए मस्क का जाना ट्रंप की व्यापारिक समझदारी और भविष्य की सोच वाली छवि को चोट पहुंचाता है। जबकि ट्रंप समर्थक इस बात से संतुष्ट हो सकते हैं कि ट्रंप वैश्विक शक्तियों से लड़ रहे हैं और 'अरबपति अभिजात वर्ग' के दबाव में नहीं आ रहे।

बालसमन्द चेक पोस्ट पर अवैध वसूली का वीडियो हुआ वायरल...अवैध वसुलिकर्ताओ को किया निलंबित

राजेश नाहर,9479973888 बड़वानी प्रदेश के मुख्यमंत्री जी द्वारा परिवहन चौकिया को समाप्त कर दिया गया इसके बाद परिवहन चौकिया पर आरटीओ परिवहन विभाग के लोग चेक पोस्ट बनाकर बैठने लगे जिनकी अवैध वसूली व अभद्र व्यवहार की शिकायते लंबे समय से मिलती रही।बड़वानी जिले के बालसमंद बैरियर पर आरटीओ पट्टी लिखे हुए वाहन में कुछ लोग आने जाने वाले वाहन चालकों के साथ अभद्र व्यवहार कर अवैध वसूली में लिप्त बताया जा रहे यह काम कई दिनों से चल रहा था ।पिछले 2/3 दिनों से सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है था जिसमें आरटीओ लिखे वाहन MP09A E 7776 में दो सिपाही वाहन चालकों से अवैध वसूली करते हुए दिख रहे हैं वहीं उनकी बोलचाल की भाषा भी अभद्रता

पूर्ण दिखाई दे रही। वीडियो के वायरल होने के बाद परिवहन विभाग हरकत में आया और परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा द्वारा जारी पत्र अनुसार उक्त बैरियर पर काम करने वाले आरक्षक देवेंद्र दांगी व आरक्षक ,नरेंद्र बरखड़े के विरुद्ध गम्भीर शिकायत होने से दोनों को निलंबित कर दिया गया ।ज्ञात रहे की परिवहन विभाग जिले की चौकी पर केवल वसूली का कार्य कर रहे हैं वहीं जिले में परिवहन विभाग की परिवहन को लेकर भूमिका लगभग शून्य से दिखाई दे रही ।निलंबित किए गए आरक्षक परिवहन विभाग के अधिकारियों के निकटतम रिश्तेदार बताए जा रहे हैं वीडियो वायरल होने पर परिवहन विभाग की कार्रवाई से बैरियरों पर चल रही अवैध वसूली का खेल खुलकर सामने आ गया है जिससे यह साबित हो रहा है चेकिंग के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। अवैध वसूली के लिए बदनाम परिवहन जाँच चौकियों को मुख्यमंत्री मोहन यादव की बंद करने की पहल पर कुछ लोगों के लिए कमाई का जरिया बन गया है अब मुख्यमंत्री क्या निर्णय लेंगे

मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु 10 मरीज इंदौर रवाना

राजेश नाहर 9479973888 खेतिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेतिया पानसेमल में नेत्र शिविर आयोजित किया गया जिसमें पानसेमल बीएमओ डॉ.राजेश ढोले और समस्त स्टाफ के सहयोग से सम्पन्न हुआ शिविर में 32 व्यक्तियो का नेत्र परीक्षण शंकरा नेत्रालय की चिकित्सीय टीम व स्थानीय नेत्र सहायक राम कुशवाह ने किया । जिसमें से 14 मरीजों को मोतियाबिंद पाया गया । 10 मरीज को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए बस सुविधा द्वारा शंकरा नेत्रालय इंदौर भेजा गया।

अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत मोतियाबिंद हेतु शासकीय अस्पताल के माध्यम से मोतियाबिंद के ऑपरेशन शासन द्वारा निर्धारित अस्पताल में निशुल्क किया जाता है जहाँ ऑपरेशन के साथ अन्य सुविधाएं भी नि:शुक्ल उपलब्ध कराई जाती है।

उज्जैन पुलिस की बड़ी कार्रवाई: चिमनगंज थाना क्षेत्र में वाहन से चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन के चिमनगंज थाना क्षेत्र में वाहन से चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से चोरी हुई नकद राशि और सोने की चेन बरामद की गई है।

क्या है मामला? चार दिन पूर्व खाक चौक के पास एक महिला की गाड़ी की डिक्की से अज्ञात बदमाश द्वारा नकद राशि और एक सोने की चेन चोरी कर ली गई थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता से मौके पर पहुंचकर जांच प्रारंभ की।

पुलिस की कार्रवाई थाना चिमनगंज पुलिस द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का गहन विश्लेषण कर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की पहचान कर ली गई। सटीक सुरागों के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी गई नकद और चेन बरामद कर ली है।

आरोपी को जेल भेजा गया गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेजा गया है। महिला द्वारा उज्जैन पुलिस की तत्परता और प्रभावी कार्रवाई की सराहना करते हुए पुलिस अधीक्षक महोदय को धन्यवाद प्रेषित किया गया है।

पुलिस की तत्परता उज्जैन पुलिस की इस कार्रवाई से स्पष्ट होता है कि पुलिस अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस की इस कार्रवाई से लोगों में सुरक्षा की भावना बढ़ी है।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती -जन कल्याण पर्व

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर जन कल्याण पर्व के उपलक्ष्य में महिला पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महिला बाइक रैली का आयोजन

राजू पटेल नीमच– पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के पावन अवसर पर 'स्वावलंबी महिला, सशक्त राष्ट्र' की संकल्पना को साकार करते हुए दिनांक 31.05.2025 को जन कल्याण पर्व के रूप में मनाये जाने संबंधी निर्देश दिये गये है। इस दौरान महिलाओं के विरूद्व घटित अपराध एवं अपराधों के विरूद्व जागरूकता एवं महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये दिनांक 30.05.2025 को एक दिवसीय अभियान चलाया जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों के संबंध में जानकारी प्रदान करने हेतु कानूनी प्रावधानों का साक्षरता शिविर एवं प्रचार प्रसार, महिला बाईक रैली के माध्यम से प्रचार प्रसार एवं महिला सुरक्षा हेतु पुलिस सहायता हेल्पलाईन नम्बरों का प्रचार प्रसार करने संबंधी निर्देश दिये गये है।उक्त निर्देशों के पालन में जिला मुख्यालय पर जिला पुलिस बल नीमच द्वारा जिला पुलिस बल नीमच की महिला पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महिला बाईक रैली का आयोजन किया गया। पुलिस कन्ट्रोल रूम नीमच से प्रारंभ की गई महिला बाईक रैली को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उक्त रैली के माध्यम से महिला पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा महिलाओं के विरूद्व घटित अपराध एवं अपराधों के विरूद्व जागरूकता एवं महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु संदेश दिया गया। महिला पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की रैली शहर के मुख्य मार्गो से होती हुई कन्ट्रोल रूम नीमच पर समाप्त हुई। कार्यक्रम के दौरान उप पुलिस अधीक्षक अजाक श्रीमति यशस्वी शिन्दें, उप पुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा सुश्री निकीता सिंह, रक्षित निरीक्षक विक्रम सिंह भदौरिया, थाना प्रभारी यातायात रक्षित निरीक्षक उर्मिला चौहान सहित बड़ी संख्या में महिला पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रही।

सुश्री निर्मला भूरिया केबिनेट मंत्री ने खरीदी सिंदूरी महेश्वरी साड़ी

संजय जैन जिला ब्यूरो झाबुआ, देवी अहिल्या बाई के 300 वें जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर होने वाले महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में भाग लेने के लिये महिला और बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने खास तौर पर सिंदूरी रंग वाली महेश्वरी साड़ी खरीदी है। यही सिंदूरी साड़ी पहनकर सुश्री भूरिया प्रधानमंत्री के मुख्य आतिथ्य में हो रहे महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में भाग लेंगी। भोपाल में मृगनयनी से महिला और बाल विकास विभाग की प्रभारी कमिश्नर निधि निवेदिता ने भी मंत्री के साथ महेश्वरी साड़ी खरीदी। **महेश्वरी साड़ी का महत्व** देवी अहिल्या ने महिला सशक्तिकरण और स्थानीय बुनकरों को बढ़ावा देने के लिए महेश्वरी साड़ी बनवाना शुरू किया था। भोपाल में प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी की सभा में जाने के लिये मध्य प्रदेश की महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने भी खास तौर से सिंदूरी रंग की महेश्वरी साड़ी खरीदी है। महेश्वरी साड़ी मध्य प्रदेश में महिला सशक्तिकरण का उदाहरण मानी जाती है। लोकमाता देवी अहिल्या ने महेश्वर में सादगी और सुंदरता से भरी इन साड़ियों को बनवाना शुरू किया था। मनपसंद महेश्वरी साड़ी खरीदने के बाद महिला और बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने बताया कि महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम में दो लाख से ज्यादा महिलाएं शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि वो खास तौर पर महेश्वरी साड़ी खरीदने इसलिये आई हैं क्योंकि देवी अहिल्या ने महेश्वरी साड़ियाँ बनवाना शुरू किया था। ये सौभाग्य की बात है कि लोकमाता अहिल्या देवी के 300 वें जन्म जयंती वर्ष प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भोपाल आ रहे हैं। महेश्वर लोकमाता अहिल्या देवी की धार्मिक नगरी है। महेश्वरी में बुनकरों को बसाने का काम देवी अहिल्या बाई ने किया। रेशम और सूती धागों से महेश्वरी साड़ी की अलग कला है। ये साड़ी फैशन से कभी बाहर नहीं जाती। बुनाई देखिये हाथ से बुनकर बनाते हैं। महेश्वरी साड़ी कला का अद्भुत उदाहरण है।

जो जिस भाषा में समझेगा, बजरंग दल उसे उसी भाषा में समझाएगा- तूफान सिंह यादव, विहिप जिला मंत्री

अनिल भरावा आलोट– शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने जावरा जिले के बरखेड़ा कला में उपस्थित होकर श्रीमद् भागवत कथा वाचक संत श्री का साल, श्रीफल और दुपट्टे से स्वागत किया। स्वागत के दौरान मंच से विश्व हिंदू परिषद जिला मंत्री तूफान सिंह यादव ने सभी श्रोताओं को बताया कि विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल हिंदुओं के मान बिंदुओं की रक्षा के लिए खड़ा है। जो जिस भाषा में समझेगा उसे उसी भाषा में समझाएंगे, मां और मातृभूमि की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल साधु संतों के मार्गदर्शन में कार्य करता है।

तथा साधु संत ही सनातन धर्म की रीड है, साधु संतों के मुख से कही हुई बात को जीवन में आत्मसात करना चाहिए। लव जिहाद, लैंड जिहाद, वर्तमान में हमारी भूमिका आदि विषयों को मंच से रखा। इस अवसर पर जिला धर्म प्रसार प्रमुख गोपाल देवड़ा, जिला सह सत्संग प्रमुख कमलेश सोनी, ताल प्रखंड उपाध्यक्ष सुनील सेठिया, ताल प्रखंड संयोजक अमर सिंह गुर्जर, नितेश सेठिया, उमराव सिंह, अमर सिंह, बहादुर सिंह, सुमेर सिंह और विहिप बजरंग दल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देवी अहिल्याबाई और महेश्वरी साड़ी : परंपरा, पहचान और नारी सशक्तिकरण की त्रिवेणी का संगम- सुश्री निर्मला भूरिया

संजय जैन जिला ब्यूरो झाबुआ, भारत की सांस्कृतिक धरोहर में जब भी बात होती है, मध्यप्रदेश का नाम गौरव से लिया जाता है। इस धरती ने अनेक महान व्यक्तियों को जन्म दिया है। इनमें से एक हैं लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर। उनका जीवन, कार्य और दर्शन आज भी महिला नेतृत्व, सेवा, न्याय और संस्कृति की प्रेरणा है। उनके ही कालखण्ड में जन्मी 卐महेश्वरी साड़ी卐 न केवल एक वस्त्र है बल्कि कला, परंपरा और महिला कौशल की जीवंत पहचान बन चुकी है। नर्मदा नदी के किनारे स्थित भारत के प्राचीन मंदिर नगरों में से एक, महेश्वर अपनी महेश्वरी सिल्क के लिए प्रसिद्ध है। महेश्वर का शाब्दिक अर्थ है 卐शिव की भूमि卐। चाहे आप आध्यात्मिक रूप से जुड़ाव रखते हों या नहीं, महेश्वर के आकर्षण से बच पाना कठिन है। इसके घाटों और किलों की जीवंतता एक अलग ही तरह की शांति प्रदान करती है। मनमोहक घाट और रोमांचकारी किले के अलावा, महेश्वर की गलियाँ रंग-बिरंगे लकड़ी के घरों और सुंदर बालकनियों से सजी हुई हैं। यह स्थान अत्यंत मोहक और शांतिपूर्ण है।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई ने 18 वीं शताब्दी में जब शासन की बागडोर संभाली, तब उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि एक महिला भी कुशल प्रशासक, समाजसेविका और संस्कृति संरक्षिका हो सकती है। महेश्वर ने रानी अहिल्याबाई होल्कर के शासनकाल में सांस्कृतिक ऊंचाइयों को छुआ। रानी अहिल्याबाई न केवल मध्यप्रदेश का गर्व हैं, बल्कि भारत की सबसे साहसी रानियों में से एक मानी जाती हैं। रानी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने समय में कला, शिक्षा, संस्कृति और को न केवल संरक्षण दिया, बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई पहल भी कीं। साथ ही नर्मदा नदी के तट पर बसे महेश्वर को एक सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में विकसित किया। आज भी उन्हें महिला नेतृत्व की एक महान प्रतीक के रूप में याद किया जाता है। रानी उन महानतम स्थापत्य शिल्पियों में से एक थीं, जिन्होंने किलों, मंदिरों और नगरों का निर्माण कराया। एक निर्भीक योद्धा और कुशल राजनीतिज्ञ होने के नाते, रानी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने लोगों को कई कठिन परिस्थितियों से सुरक्षित रखा। देवी अहिल्याबाई ने भारत में अनेक मंदिरों, घाटों और अन्य संरचनाओं के निर्माण का आदेश दिया। रानी अहिल्याबाई विधवा होते हुए भी मराठा साम्राज्य की सबसे शक्तिशाली और प्रेरणादायक व्यक्तित्वों में से एक बन गईं। उनकी सफलता ने

दुनिया को दिखा दिया कि महिलाएं क्या कुछ कर सकती हैं। महेश्वरी सिल्क अपने समय में रानी अहिल्याबाई होल्कर ने अन्य राज्यों से बुनकरों को महेश्वर में बसने के लिए आमंत्रित किया और उन्हें प्रेरित किया कि वे किले की जटिल डिजाइनों को कपड़े पर उतारें। यही महेश्वरी सिल्क की उत्पत्ति थी, जो आज व्यापक रूप से प्रसिद्ध और अनुपम मानी जाती है। महेश्वरी हैंडलूम की सादगी और उसकी सुरुचिपूर्ण शैली इसी महान परंपरा से प्रेरणा लेती है। महेश्वरी साड़ी की खास बात यह है कि इसकी बुनाई प्रक्रिया में स्थानीय महिलाएँ अहम भूमिका निभाती है। पारंपरिक हथकरघा तकनीक से बनी यह साड़ी केवल परिधान नहीं, बल्कि हर धागे में स्वाभिमान और परिश्रम की कहानी समेटे होती है। इसका हर डिजाइन चाहे वह नारियल, फूल नर्मदा की लहरें या मंदिर की आकृति हो, मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है। महेश्वरी साड़ियाँ अपनी जटिल डिज़ाइनों के लिए प्रसिद्ध हैं, जो महेश्वर किले की दीवारों पर उकेरे गए पैटर्न से प्रेरित होती हैं। इन साड़ियों की सुनहरी किनारी, चेक डिज़ाइन और बेहद महीन बुनावट इन्हें खास बनाती है। किनारे की कोमलता और संवेदनशीलता बहती हुई नदी से प्रेरणा लेती है। हर किनारे का एक अनूठा नाम होता है, जो उसकी प्रवाहशीलता और भावना को दर्शाता है। उदाहरण के लिए, 卐नर्मदा卐 नाम की बॉर्डर में उसी नदी जैसी प्रवाहशीलता होती है। एक और साड़ी होती है 卐गंगा-जमुना卐, जिसकी किनारी दो अलग-अलग रंगों और डिज़ाइनों में होती है। सूती और रेशमी धागों के बेहतरीन मिश्रण से बनी महेश्वरी सिल्क एक सुंदर भारतीय शिल्प है, जो बुनावट और रंग दोनों में हल्की होती है। यह इसे हर मौसम के लिए उपयुक्त और अत्यंत सुरुचिपूर्ण बनाती है।

होल्कर वंश की रानी अहिल्याबाई राजसी मेहमानों को तोहफे में जो खास साड़ियां देती थीं आज वही महेश्वरी साड़ियां देश-दुनिया में खास और आम महिलाओं के तन पर सजती हैं। देवी अहिल्याबाई ने ये साड़ियां बनवाने के लिए खास हुनर वाले बुनकरों को मध्यप्रदेश के महेश्वर में बसाया था और वहां से निकलकर आज ये साड़ियां पूरे देश में पहुंच गई हैं। पहले इनकी मांग कुछ शहरों में ही थी मगर सोशल मीडिया के दौर में नई डिजाइनों की वजह से इनकी शोहरत बढ़ी और आज पूरे देश में महेश्वरी साड़ियां बेची-खरीदी जाती हैं।

लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर का जीवन इस बात का प्रमाण है कि जब एक महिला को अवसर मिलता है, तो वह समाज को नई दिशा दे सकती है। आज जब हम महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं, तो महेश्वरी साड़ी इसके सबसे सुंदर और प्रामाणित उदाहरणों में से एक है। यह न केवल हजारों महिलाओं को रोजगार देती है बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और स्वाभीमानी जीवन जीने का अवसर भी प्रदान करती है।

रानी अहिल्याबाई होल्कर ने भारत के कोने-कोने में अनेकों मंदिर और धर्मशालाओं का निर्माण, पुनर्निर्माण और जीर्णोद्धार कराया। मंदिरों का पुनर्निर्माण और महेश्वरी साड़ी, रानी अहिल्याबाई की जीवंत विरासतों में शामिल हैं। महेश्वर नगर और महेश्वरी हैंडलूम बुनाई अब एक-दूसरे के पर्याय बन चुके हैं। महेश्वर की बुनाई इस नगर की अधिकांश जनसंख्या की आजीविका का प्रमुख स्त्रोत है। महेश्वर की गलियों में रंग-बिरंगी हैंडलूम साड़ियाँ हमेशा देखने को मिलती हैं। नगर के बुनकर घरों में करघों की लयबद्ध ध्वनि, जो धागे-धागे से कपड़े को बुनती है, हमेशा कानों को आनंद देती है।

(लेखक मध्यप्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं)

यादव ने अपनी कार्यशैली एवं सरल स्वभाव से हर किसी को अपनी ओर आकर्षित किया - कलेक्टर डॉ बेडेकर

संजय राठौड़ जिला ब्यूरो अलीराजपुर - अनुविभागीय अधिकारी राजस्व चंद्रशेखर आजाद नगर एसआर यादव सेवानिवृत्त हुए। कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर एवं अन्य जिला अधिकारी एवं कलेक्ट्रेट स्टॉप द्वारा कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में श्री यादव का विदाई समारोह आयोजित किया गया । इस अवसर पर अपर कलेक्टर विरेन्द्र सिंह ने उनके सेवाकाल में उनके मृदुल व्यवहार एवं कार्य की सराहना कर यादव की दीर्घायु की कामना की गई।

इस अवसर पर कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर ने भी उनकी कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा विगत 26 सालों से हमारा व्यक्तिगत रूप से साथ रहा है , हर निर्देशों का पालन कर आपने अपनी कार्यशैली एवं सरल स्वभाव से हर किसी को अपनी ओर आकर्षित किया है , आपने ज्यादातर समय निमाड एवं मानव क्षेत्र में अपनी शासकीय सेवा एवं सामाजिक सेवा देकर आपने लोगों के बीच में एक अलग छवि छोडी है । शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह बाकी जीवन काल में अपनी अच्छी आदतों के मुताबिक शेष कार्य पूरे करें एवं उनके स्वस्थ रहने की कामना के साथ बधाई दी।

अज्ञात व्यक्तियों ने रेलिंग दीवार में तोड़फोड़

दीपक प्रजापति मल्हारगढ- शहर में नगर परिषद द्वारा काकासाहेब गाडगिल प्रतिमा परिसर में विगत रात्रि को सौंदर्यकरण हेतु चल रहे निर्माण कार्य को अज्ञात व्यक्तियों ने तोड़ कर घटिया मानसिकता का परिचय दिया। अज्ञात लोगों ने साइड में रखे पत्थर भी तोड़ दिए जिससे ठेकेदार को नुकसान हुआ है इस संबंध में ठेकेदार ने लिखित में पुलिस थाना मल्हारगढ़ में एक रिपोर्ट दर्ज करवा कर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है

महाराणा प्रताप जयंती पर वाहन रैली निकाल कर प्रतिभाओ का सम्मान किया

गौरव टांकवाल 9754518401पिपलौदा । नगर के राजपूत बोर्डिंग में महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राजपूत समाज ने वाहन रैली निकाल कर बोर्ड परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया। गणेश मंदिर कोठी पैलेस से प्रारंभ रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई राजपूत बोर्डिंग पर समाप्त हुई, जहां नियति राठौर तथा कृतिका सोलंकी ने अतिथियों को चन्दन का टीका लगा कर स्वागत किया। कार्यकम में 12 वीं बोर्ड परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पूर्व कृषि मंत्री महेन्द्रसिंह कालूखेड़ा की स्मृति में सम्मानित किया गया। इसमें कृतिका दिलीपसिंह सोलंकी, कीर्तिराज लोकेन्द्रसिंह बड़ौदा तथा चंचल कुंवर राजकुमारसिंह शेरपुर व कक्षा 10 में उच्च अंक प्राप्त करने वाले ॠतिका दिलीपसिंह, भानूप्रतापसिंह महेन्द्रसिंह रांकोदा, कृतिका मंगलसिंह चौहान बड़ायलामाताजी, राजनंदिनी हिम्मतसिंह को स्मृति चिन्ह के साथ प्रशस्ति पत्र तथा नगद राशि राजपूत उत्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष भोपालसिंह राठौर तथा संरक्षक के.के.सिंह कालूखेड़ा ने प्रदान की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि के.के.सिंह कालूखेड़ा ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को आगे लाने के लिए समाज को कार्य करना होगा तथा इसके लिए सामर्थ्य के अनुसार दान आवश्यक है। विशेष अतिथि राजेन्द्रसिंह गुडरखेड़ा ने जनगणना की जानकारी प्रस्तुत की। नारायणसिंह चिकलना ने कहा कि महाराणा प्रताप 500 वर्षों के बाद भी प्रेरणा के केन्द्र है, यह राजपूत समाज के लिए गौरव की बात है। हरीशप्रतापसिंह तथा सोमेन्द्रसिंह राठौर ने भी विचार रखे। वार्षिक लेखा जोखा कोषाध्यक्ष लोकेन्द्रसिंह देवड़ा ने प्रस्तुत करते हुए बताया कि महाराज मयूरध्वजसिंह ने 5 हजार, मंगलसिंह चौहान बड़ायलामाताजी ने 5 हजार, जितेन्द्रसिंह छोटूबना सैलाना, धर्मेन्द्रसिंह बाराखेड़ा, राजेन्द्रसिंह आम्बीरामा तथा भारतसिंह भाटखेड़ी ने 11-11 हजार, गोपालसिंह डोडिया ने 5100 तथा लोकपालसिंह राठौर ने 3500 का आर्थिक सहायोग प्रदान किया। कार्यक्रम में महावीरसिंह सिसौदिया, कुलदीपसिंह सिसौदिया साखथली, लोकेन्द्रसिंह बड़ौदा, युवराजसिंह, महेन्द्रसिंह अयाना, भानूप्रतापसिंह बड़ायलामाताजी, मिस्टरबना बोरदिया, रणजीतसिंह बड़ौदा, जीवनसिंह, गोपालसिंह, जुझारसिंह सिसौदिया, बिन्दु सरकार, खुशालसिंह, महेन्द्रसिंह राठौर, कुलदीपसिंह झाला, अवधप्रतापसिंह राठौर, राजेन्द्रसिंह देवड़ा, चंद्रपालसिंह राठौर,

मनीषसिंह सोलंकी, मंगलसिंह, बलवंतसिंह, प्रवीणसिंह, मनमोहनसिंह राणा सहित बड़ी संख्या में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के राजपूत सरदारों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के सचिव जयेन्द्रसिंह राठौर ने किया।

शेयर बाजार में लौटी हरियाली, सेसेक्स 321 अंक चढ़ा, निफ्टी 24800 के पार पहुंचा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को हरियाली लौट आई। उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बाद प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन सेंसेक्स 320.70 अंक चढ़कर 81,633.02 पर जबकि निफ्टी 81.15 अंक बढ़कर 24,833.60 पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे गिरकर 85.50 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ। बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में दो दिन की गिरावट के बाद गुरुवार को तेजी आई। ऐसा अमेरिकी अदालत की ओर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पारस्परिक टैरिफ को रोकने के फैसले के बाद वैश्विक बाजारों में बने सकारात्मक महौल के कारण संभव हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 320.70 अंक या 0.39 प्रतिशत चढ़कर 81,633.02 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 504.57 अंक या 0.62 प्रतिशत चढ़कर 81,816.89 अंक पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 81.15 अंक या 0.33 प्रतिशत बढ़कर 24,833.60 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में इंडसइंड बैंक में 2.41 प्रतिशत की तेजी आई। बाजार नियामक सेबी ने बैंक के पूर्व सीईओ सुमंत कठपालिया और चार अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को बैंक के शेयरों में कथित अंदरूनी व्यापार के संबंध में प्रतिभूति बाजार में प्रवेश से रोक दिया था।

सन फार्मा, अडानी पोर्ट्स, इटरनल, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा और एक्सिस बैंक भी लाभ में रहे। बजाज फाइनेंस, आईटीसी, बजाज फिनसर्व और एशियन पेंट्स पिछड़ने वालों में शामिल थे। निवेशकों ने अमेरिकी संघीय न्यायालय की ओर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आयात पर व्यापक पारस्परिक टैरिफ को रोकने के निर्णय सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

अमेरिकी न्यायालय की ओर से ट्रम्प की पारस्परिक कर नीति को रद्द करने के बाद वैश्विक बाजार की धारणा में सुधार हुआ। हालांकि, तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिका में 10 साल के बॉन्ड की यील्ड बढ़ने के कारण घरेलू बाजार दिन के दौरान ज्यादातर सीमित दायरे में रहा। सत्र के अंत में कुछ सुधार देखा गया, जो एफएंडओ एक्सपायरी को देखते हुए हुए कवरिंग के कारण हुआ।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ह्वव्यापारिक तनाव कम होने की उम्मीद से आईटी और फार्मा जैसे निर्यात-केंद्रित क्षेत्रों ने अच्छा प्रदर्शन किया है।ह्व एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 4,662.92 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी खरीदी। साथ ही, रिजर्व बैंक ने कहा कि देश वित्त वर्ष 2026 में भी दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के कारण अप्रैल 2025 में भारत की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि धीमी होकर 2.7 प्रतिशत रह गई। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.42 प्रतिशत बढ़कर 65.82 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बुधवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक 239.31 अंक या 0.29 प्रतिशत गिरकर 81,312.32 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 73.75 अंक या 0.30 प्रतिशत गिरकर 24,752.45 अंक पर बंद हुआ।

अब बात करते हैं सराफा बाजार की। गुरुवार को घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। 24 कैरेट सोना 870 रुपए टूटकर 94,830 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 86,864 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। चांदी भी सस्ती हुई है। 218 रुपए की गिरावट के साथ यह अब 97,664 रुपए प्रति किलो के स्तर पर आ गई है। कीमती धातुओं में यह गिरावट निवेशकों के लिए खरीद का मौका हो सकती है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा गिरावट अल्पकालिक है और आने वाले दिनों में सोने व चांदी की कीमतें फिर से तेजी पकड़ सकती हैं। उनका अनुमान है कि ये दोनों कीमती धातुएं जल्द ही 1 लाख रुपए के पार जा सकती हैं।

दो दिन की गिरावट के बाद उछला सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। लगातार दो दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। सोना आज 250 रुपये से लेकर 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। भाव में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,310 रुपये से लेकर 97,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,200 रुपये से लेकर 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 97,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 97,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 89,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

नौ साल बाद आईपीएल के फाइनल में पहुंची आरसीबी, पंजाब किंग्स को 60 गेंदें शेष रहते हराया

गेंदबाजों के बाद फिल सॉल्ट के अर्धशतक की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने क्वालिफायर-1 मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर आईपीएल 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। आरसीबी ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया और पंजाब की टीम को 14.1 ओवर में महज 101 रन पर ऑलआउट कर दिया। जवाब में आरसीबी ने 10 ओवर में दो विकेट पर 106 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

पंजाब के पास एक और मौका

आरसीबी की टीम अब अपना पहला खिताब जीतने से एक कदम दूर है। पंजाब की टीम के पास हार के बावजूद खिताबी मुकाबले में प्रवेश करने के लिए एक मौका है। ग्रुप चरण में शीर्ष पर रहने के कारण पंजाब को एक अतिरिक्त मौका मिलेगा। पंजाब का सामना क्वालिफायर-2 में रविवार को गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच शुक्रवार को होने वाले एलिमिनेटर की विजेता टीम से होगा। अगर पंजाब वो मुकाबला जीतने में सफल रही तो फाइनल में पहुंच जाएगी जहां उसका सामना तीन जून को अहमदाबाद में आरसीबी से होगा।

चौथी बार फाइनल में आरसीबी

आरसीबी ने इसके साथ ही आईपीएल

के फाइनल में पहुंचने का अपना नौ साल का सूखा समाप्त कर दिया है। आरसीबी आखिरी बार 2016 में खिताबी मुकाबले में पहुंची थी और तब से वह खिताबी मुकाबले में प्रवेश करने के लिए संघर्ष कर रही थी। पिछले सीजन आरसीबी का सफर एलिमिनेटर में ही समाप्त हो गया था, लेकिन इस बार टीम के पास खिताब जीतने का सुनहरा मौका है। आरसीबी ने 2009, 2011, 2016 में भी फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन तब टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

सॉल्ट का दमदार प्रदर्शन

कम लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने विराट कोहली का विकेट जल्द गंवा दिया था जो 12 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 12 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सॉल्ट और मयंक यादव ने पारी आगे बढ़ाई और टीम को जीत के करीब लेकर गए। हालांकि, मुशीर खान ने मयंक को श्रेयस अय्यर के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेजा। मयंक 13 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 19 रन बनाकर आउट हुए। सॉल्ट टिके रहे और उन्होंने 23 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। यह आरसीबी के लिए आईपीएल प्लेऑफ में सबसे कम गेंदों पर बनाया गया पचासा है। सॉल्ट ने इस मामले में क्रिस गेल को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 25 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था।

सॉल्ट यहीं ही नहीं रुके और टीम को जीत दिलाने तक क्रीज पर टिके रहे। कप्तान रजत पाटीदार ने मुशीर खान की गेंद पर छक्का लगाकर टीम को खिताबी मुकाबले में पहुंचाया। सॉल्ट 27 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्के की मदद से 56 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि पाटीदार ने आठ गेंदों पर एक चौके और एक छक्के के सहारे 15 रन बनाए।

फुटबॉल स्टार माराडोना की मौत मामले में नया मोड़ अर्जेंटीना की अदालत ने सुनवाई को बताया गलत

फुटबॉल स्टार डिएगो माराडोना की मौत मामले में नया मोड़ आया है। अर्जेंटीना की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को माराडोना की मौत मामले में चल रही सुनवाई को गलत बताया और उसे फिर से शुरू करने का फैसला किया। इस मामले में सात स्वास्थ्य पेशेवरों और मेडिकल स्टाफ पर माराडोना की मौत को लेकर लापरवाही का आरोप है। यह फैसला तब आया जब मुकदमे की निगरानी कर रहे तीन जजों में से एक जूलियट मैकिन्टैच ने खुद को एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म में शामिल दिखाए जाने के कारण केस से हटने का फैसला किया। डॉक्यूमेंट्री का नाम डिवाइन जस्टिस है। इसमें मैकिन्टैच को मुख्य किरदार के तौर पर दिखाया गया है। डॉक्यूमेंट्री में उनकी भागीदारी को लेकर उन पर पक्षपात के आरोप लगे, जिसके चलते उन्होंने पद छोड़ दिया।

नए सिरे से सुना जाएगा पूरा केस

मैकिन्टैच के पद छोड़ने के बाद अदालत को तय करना था कि उनके स्थान पर एक नया न्यायाधीश नियुक्त किया जाए या पूरे मामले की नए सिरे से सुनवाई हो। बृहस्पतिवार को न्यायाधीशों ने फैसला सुनाया कि पूरा केस नए सिरे से सुना जाएगा। अदालत के इस फैसले के बाद उस कार्यवाही पर प्रभावी रूप से रोक लग गई, जिसमें माराडोना की मेडिकल टीम पर उनके अंतिम दिनों में पर्याप्त देखभाल प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाया गया था। हालांकि, न्यायाधीशों ने यह नहीं बताया कि नया मुकदमा कब शुरू होगा।

उनके पास इस्तीफा देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था- मैकिन्टैच

जूलियट मैकिन्टैच ने कहा कि उनके पास मंगलवार को मामले से इस्तीफा देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। अभियोजक ने एक डॉक्यूमेंट्री- डिवाइन जस्टिस का टीजर-ट्रेलर दिखाया, जो 60 वर्ष की आयु में माराडोना की मृत्यु के बाद की घटनाओं को दर्शाता है। इस डॉक्यूमेंट्री में स्पष्ट रूप से मैकिन्टैच को मुख्य भूमिका में दिखाया गया है।

पदक के बजाय समय पर ध्यान देना महत्वपूर्ण था, स्वर्ण जीतने के बाद बोलीं ज्योति

भारत की फर्राटा धाविका ज्योति याराजी ने स्वीकार किया कि वह 100 मीटर बाधा दौड़ में अपना खिताब बचाने के लिए तनाव में थीं, लेकिन पदक के बजाय समय पर ध्यान देने से उन्हें शांत रहने में मदद मिली। उन्होंने गुरुवार को एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता। आंध्र प्रदेश की इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने 12.96 सेकंड का समय निकाला जो प्रतियोगिता का नया रिकॉर्ड है। पिछला रिकॉर्ड 13.04 सेकंड का था, जिसे 1998 में कजाकिस्तान की ओल्गा

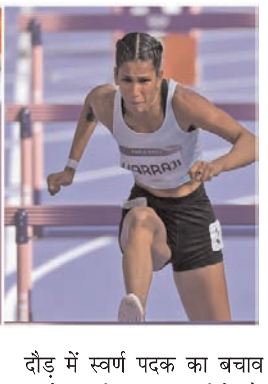

शिशिगिना और 2011 में चीन की सन यावेई ने बनाया था। एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता योति एशियाई चैंपियनशिप की 100 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक का बचाव करने वाली पांच एथलीटों के चुनिंदा क्लब में शामिल हो गईं। उनसे पहले यह उपलब्धि जापान की एमी अकीमोटो (1979, 1981, 1983) तथा चीन की तीन खिलाड़ियों झांग यू (1991, 1993), सु यिनपिंग (2003, 2005) और सुन यावेई (2009, 2011) ने हासिल की थी।

ज्योति ने बाद में कहा, निश्चित तौर पर मेरा लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना था, लेकिन मैंने टाइमिंग पर ध्यान केंद्रित किया क्योंकि जब आप पदक पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं, तो आप दबाव महसूस करते हैं। इसलिए मैंने समय के बारे में सोचते हुए इसे सकारात्मक पक्ष में बदल दिया और यह वास्तव में काम आया।

डॉ0 अभिषेक रावत (हड्डी रोग विशेषज्ञ) द्वारा 03 नवजात

नरेश राठौड़ कुक्षी - शुक्रवार को नगर के सिविल अस्पताल कुक्षी में श्रीमती रुकमा पति रितेश एवं श्रीमती शर्मिला पति रवि एवं श्रीमती सुभद्रा पति अर्जुन डावर अपने नवजात बच्चो को CTEV (क्लबफुट) के उपचार हेतु सिविल हॉस्पिटल में डॉ0 अभिषेक रावत (हड्डी रोग विशेषज्ञ) के पास आये। उक्त नवजात बच्चो के पाव तिरछे थे जिसे क्लबफुट बीमारी के नाम से जाना जाता है। डॉ0 अभिषेक रावत ने उक्त नवजात बच्चों का उपचार किया साथ ही यह बताया कि अगर नवजात बच्चो में तिरछे पेर (क्लबफुट) की समस्या हो तो उन्हें सिविल अस्पताल कुक्षी अवश्य लाये। इस अवस्था मे नवजात बच्चो का राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत निःशुल्क इलाज किया जाता है एवं जूते भी प्रदाय किये जाते है। जिससे कि वे जल्द स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सके। इसमें राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत पदस्थ डॉ0 सरदार सिंह अलावा (एएमओ), डॉ0 रोशनी पाटीदार (एएमओ), डॉ0 अभिलाषा मौर्य (एएमओ) द्वारा उक्त मरीजो को उपचार हेतु मोटीवेट किया गया।

देवी अहिल्या बाई होल्कर जी की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में "जनकल्याण पर्व" के अवसर पर महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता हेतु अलीराजपुर पुलिस द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान एवं वाहन रैली का आयोजन

आशीष वाणी अलीराजपुर - पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास द्वारा बताया कि भारतीय संस्कृति, सुशासन एवं लोककल्याण की प्रतीक राजमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर जी की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में "जनकल्याण पर्व" का आयोजन जिला अलीराजपुर में पूर्ण उत्साह एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर जिला पुलिस बल की महिला पुलिस अधि0/कर्म0 के द्वारा महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम, महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से दिनांक 30 मई 2025 को एक दिवसीय महिला जन-जागरूकता अभियान संचालित किया गया।

पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास के निर्देशन में आयोजित इस अभियान के अंतर्गत जिले के समस्त थानों की महिला अधिकारी एवं कर्मचारीगण द्वारा ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों की महिलाओं तथा विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं के मध्य जाकर महिला संबंधी विधिक अधिकारों, घरेलू हिंसा से संरक्षण, यौन उत्पीड़न से संबंधित प्रावधानों, साइबर अपराधों से बचाव, एवं त्वरित सहायता उपलब्ध कराने की विधियों की जानकारी दी गई। अभियान के अंतर्गत व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार, संवाद सत्रों एवं पंपलेट वितरण का आयोजन किया गया। अभियान का संपूर्ण पर्यवेक्षण महिला सुरक्षा शाखा के उप पुलिस अधीक्षक बी.एल. अटोदे द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि उक्त अभियान का प्रमुख उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना, उन्हें आत्मविश्वास से पूर्ण करना तथा एक संवेदनशील एवं विश्वासयुक्त वातावरण का निर्माण करना है, जिसमें वे निडर होकर अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को पुलिस तक पहुंचा सकें।

जनकल्याण पर्व के उपलक्ष्य में आज दिनांक 30 मई 2025 को महिला सुरक्षा शाखा अलीराजपुर द्वारा एक जागरूकता वाहन रैली का आयोजन भी किया गया। इस रैली को पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास द्वारा पुलिस नियंत्रण कक्ष परेड ग्राउण्ड अलीराजपुर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुन पुलिस नियंत्रण कक्ष परेड ग्राउण्ड मे आकर समाप्त हुई। रैली के माध्यम से आम नागरिकों को महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

पुलिस अधीक्षक श्री व्यास ने बताया कि देवी अहिल्या बाई होल्कर जी के जीवन से समाज को सुशासन, सेवा, नारी सम्मान एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण की प्रेरणा मिलती है। जनकल्याण पर्व का मूल उद्देश्य भी इन आदर्शों को जनसामान्य तक पहुँचाना है, विशेषत: महिलाओं को सुरक्षित, सशक्त एवं जागरूक बनाना।

रतलाम की महिला ओर पुरुष से 52 लाख की एमडी ड्रग्स जब्त किया गिरफ्तार दो फरार

रतलाम/अहमदाबाद - शहर क्राइम ब्रांच ने 52 लाख रुपए से ज्यादा कीमत की मेफेड्रोन (एमडी ड्रग्स) जब्त करते हुए दो आरोपियों को पकड़ा है। इसमें एक महिला भी शामिल है। इनके पास से बरामद एमडी ड्रग्स 525 ग्राम है।

शहर क्राइम ब्रांच की टीम ने अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस के पास एएमटीएस बस स्टॉप से आरोपियों को पकड़ा। ये दोनों ही मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं। इनमें अजय प्रजापति (41) मध्यप्रदेश के रतलाम जिले के रामगढ़ का रहने वाला है, जबकि आनंदी डामर (41) रतलाम जिले के गंगासागर की रहने वाली है। इनके पास से 525 एमडी ड्रग्स जब्त की है, जिसकी कीमत 52 लाख 50 हजार रुपए है। इसके अलावा दो मोबाइल फोन, पेननकार्ड, आधार कार्ड जब्त किया है क्राइम ब्रांच के तहत रविवार को टीम को पुख्ता सूचना मिली कि मध्यप्रदेश के मंदसौर से एमडी ड्रग्स लेकर दो व्यक्ति अहमदाबाद पहुंचने वाले हैं। ये अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस वे के पास ड्रग्स की डिलिवरी देने वाले हैं। इस ड्रग्स को अहमदाबाद निवासी शाहरूख नाम का ऑटो रिक्शा चालक लेने आने वाला है। इस सूचना के आधार पर टीम ने रविवार को एक्सप्रेस हाईवे के पास नजर रखी। जैसे ही दो व्यक्ति नारोल मार्ग की ओर फुट ओवर ब्रिज के पास एएमटीएस ब्रिज के समीप पहुंचे। उन्हें पकड़ लिया। इनके पास से 525 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई।

मंदसौर से वडोदरा तक ट्रेन से लाते थे ड्रग्स क्राइम ब्रांच की जांच में सामने आया कि अहमदाबाद के वटवा इलाके में रहने वाला शाहरूख नाम का व्यक्ति मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले के रहने वाले कालू नाम के व्यक्ति से एमडी ड्रग्स को मंगाता था। कालू नाम का व्यक्ति शाहरूख के ड्रग्स मंगाने पर अलग अलग लोगों को ड्रग्स देकर मंदसौर से वडोदरा ट्रेन से भेजता था। इसके बाद वडोदरा से अहमदाबाद तक निजी वाहनों में भेजता था। वह वडोदरा एक्सप्रेस के पास अलग-अलग जगह पर ड्रग्स की डिलिवरी देता था। इस मामले में कालू और शाहरूख को फरार घोषित किया है।

मूंग खरीदी और किसान की समस्याओं के समाधान के लिए कांग्रेस ने धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन सोपा

राकेश दुबे रिपोर्टर बरेली प्रदेश किसान कांग्रेस के नेतृत्व में मूग खरीदी शुरू जल्द करने और किसानों की समस्याओं को लेकर तहसील प्रांगण के सामने निर्मित सेट के नीचे धरना प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में माग की गई प्रदेश में मूग जल्द खरीदी जाए मूग के पंजीयन शुरू किए जाए । धरना प्रदर्शन के दौरान उपस्थित पूर्व विधायक और अन्य वरिष्ठ कांग्रेसियों ने भाजपा सरकार के द्वारा किए गए वादे को उजागर करते हुए उनके द्वारा की गई वादा खिलाफी उजागर की प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान के नेतृत्व में आज धरना प्रदर्शन किया गया प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार पर आरोप लगाए प्रदेश में बड़े रकबे में मूग लगाई जाती है आज 30 मई तक अभी मूग खरीदी को लेकर किसानो के पंजीयन शुरू नही हुए मतलब साफ है सरकार किसानों की मूग नही खरीद रही ऐसे में किसानों के पास आंदोलन के अलावा कोई रास्ता नही प्रदेश अध्यक्ष ने कहा सरकार के केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मूग खरीदी को लेकर पत्रकार ने सवाल किया शिवराज ने कहा सरकार का काम है मतलब साफ है प्रदेश सरकार और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज के बीच नूरा कुश्ती चल रही है। इसमें नुकसान किसानों का है । किसानों की माग के ज्ञापन को पूर्व विधायक देवेंद्र पटेल ने पड़ा ज्ञापन में अन्य मागे किसानों को पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध कराई जाए , किसानों के बिलों जो अनावश्यक बधाई है उनको देखा जाए , किसानों को पर्याप्त खाद दिया जाए , किसानों लिमिट 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख की जाए जिससे कि टीडीएस ना कटे , कृषि भूमि की रजिस्ट्री के तत्काल बाद ऑनलाइन नामांतरण किये जायें

छबील शीतल पेय का वितरण

कांटाफोड जितु सिंगी - शुक्रवार को सिख धर्म के पांचवें गुरु श्री अर्जन देव जी महाराज के शहीदी दिवस पर वरिष्ठ भाजपा नेता पोपेन्द्र सिंह बग्गा द्वारा बस स्टेंड स्थित मा राज राजेश्वरी मंदिर परिसर मे ज्ञानी प्रहलाद सिंह जी से अरदास कराकर छबील लगाकर शीतल पेय का वितरण किया गया। छबील मे महिला पुरुषो के साथ ही बच्चों ने बडी संख्या मे पहुंचकर शीतल पेय पिया। इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष संजय गुप्ता मनीष शर्मी अल्पसंख्यक मौर्चा जिला उपाध्यक्ष जब्बार शाह वेल्डर जीतू सिंगी केदार बिनाकिया संजय जायसवाल कमल तंवर मोहन सौलंकी ओम चावडा विजय तंवर सहित बडी संख्या मे नागरिक उपस्थित थे।

प्रकाशक, मुद्रक धवन माहेश्वरी, मालिक गजेन्द्र माहेश्वरी द्वारा उदयरत्न ऑफसेट, 10/2, दारू गोडाउन के आगे, आगर रोड़, उज्जैन (मध्यप्रदेश) से मुद्रित, 190, विधापति नगर, नानाखेड़ा, उज्जैन (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित
संपादक :शानू माहेश्वरी, (9754776006, 7974826006, 8643056464,9575154444) समाचार पत्र में प्रकाशित प्रत्येक समाचार के लिए प्रधान संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों के निपटारे हेतु न्यायालय क्षेत्र उज्जैन ही रहेगा । समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। कानूनी सलाहकार तनुज दीक्षित (अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट) ।